6. वचन

हिंदी भाषा व्याकरण में जिन शब्दों द्वारा किसी वस्तु, व्यक्ति की संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। वचन द्वारा संख्या के एक या अनेक होने का पता चलता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को वचन की पुनरावृत्ति करवाते हुए समझाएँ कि वचन द्वारा संख्या बताई जाती है।
- ❖ कक्षा की या आसपास की वस्तुओं को दिखाकर उनकी एक-अनेक संख्या बच्चों से पूछी जा सकती है।
- ❖ पाठ पृष्ठ 28 पर दिए चित्र पर ध्यान दिलाते हुए चित्र में आई वस्तुओं की संख्या बच्चों से लिखने को कहें। तदुपरांत वचन की परिभाषा याद करवाकर बच्चों से पूछें।
- ❖ बच्चों को वचन भेदों– एकवचन तथा बहुवचन उदाहरण की सहायता से समझाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दी एकवचन-बहुवचन शब्दों की सूची बच्चों से ही पढ़वाएँ। एक छात्र एकवचन शब्द पढ़ें, दूसरा छात्र उसका बहुवचन रूप बोले।
- ❖ बहुवचन रूप लिखते समय वर्तनी का भी ध्यान रखना चाहिए, यह समझाएँ। बहुवचन बनाते समय ई – इ में बदल जाती है; जैसे– दवाई-दवाइयाँ, मिठाई-मिठाइयाँ, टोपी-टोपियाँ आदि।
- ❖ यह भी समझाएँ कि कुछ शब्द एकवचन या बहुवचन में हमेशा एक समान ही रहते हैं। बंदर पेड़ पर बैठा है। बंदर पेड़ पर बैठे हैं। पक्षी उड़ रहा है। पक्षी उड़ रहे हैं।
- ❖ ध्यान रखें कि प्रत्येक बच्चा समझ पा रहा है। बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें।
- ❖ 'आपने सीखा' द्वारा पाठ की दोहराई करवा लें।
- ❖ पाठ अभ्यास बच्चों से करवाएँ।